आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
बुधवार 22.05.2024
समय 1830

मुख्य समाचार :–

- चारधाम में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा आठ लाख के पार।
- हेमकुंड साहिब के लिए ऋषिकेश से यात्रियों का पहला जत्था रवाना।
- प्रारम्भिक शिक्षा की परीक्षाओं में प्रदेश के दिव्यांग विद्यार्थियों को अतिरिक्त समय मिलेगा।
- आदि कैलाश यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए इनर लाईन परमिट की अवधि 15 दिन से घटाकर 4 दिन की गई।

चारधाम दर्शन

चारधाम यात्रा के प्रति इस वर्ष श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। दस मई से यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक चारों धाम में दर्शन करने वाले तीर्थयात्रियों का आंकड़ा आठ लाख के पार पहुंच गया है। अब तक आठ लाख छह हजार दो सो इक्कासी श्रद्धालुओं ने चारधाम दर्शन किये हैं। सबसे अधिक श्रद्धालु केदारनाथ धाम में पहुंचे हैं और केदारपुरी पहुंचने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या साढ़े तीन लाख से अधिक पहुंच गई है। वहीं बदरीनाथ धाम में दो लाख नब्बे हजार श्रद्धालुओं ने भगवान बदरी–विशाल के दर्शन किये हैं। यमुनोत्री धाम में डेढ लाख से ज्यादा, जबकि गंगोत्री में लगभग एक लाख चालीस हजार लोगों ने दर्शन किये हैं। वहीं, चारधाम यात्रा के लिए लगभग 31 लाख श्रद्धालु पंजीकरण करा चुके हैं।

दल रवाना

चमोली स्थित सिखों के पवित्र तीर्थस्थल हेमकुण्ड साहिब के लिए श्रद्धालुओं का पहला दल आज रवाना हुआ। ऋषिकेश से तीर्थयात्रियों के पहले दल को राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह की उपस्थित में रवाना किया गया। इस मौके पर राज्यपाल ने कहा कि हेमकुण्ड साहिब यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है।
गौरतलब है कि 25 मई को गुरुद्वारा हेमकुण्ड साहिब और लक्ष्मण लोकपाल मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिये जांएगे।

स्केप टनल ब्रेक थ्रू

ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल परियोजना में एक और एस्केप टनल का ब्रेक थ्रू हुआ है। रुद्रप्रयाग जिले के खांकरा से डूंगरीपंथ के बीच पैकेज 7ए में लगभग पांच किलोमीटर की एस्केप टनल का ब्रेक थ्रू हो चुका है। आर०वी०एन०एल के वरिष्ठ महाप्रबंधक राजेश कुमार ने बताया कि 125 किलोमीटर ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल परियोजना में बहुत सी टनल तैयार हो रही है। उन्होंने कहा कि ऐस्केप टनल ब्रेक थ्रू हो चुकी है और मुख्य सुरंग का ब्रेक थ्रू भी जल्द हो जाएगा।

ग्रीन लीफ रेटिंग

स्वच्छता ग्रीन लीफ रेटिंग सिस्टम अब उत्तराखंड में भी लागू करने की तैयारी की जा रही है। यह सिस्टम केंद्र सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग और पर्यटन मंत्रालय की ओर से संचालित किया जाता है। इसके तहत सुरक्षित स्वच्छता के मापदंडों के अंतर्गत हॉस्पिटेलिटी के क्षेत्र में आने वाले होटल, रिसॉर्ट्स, होम स्टे, लॉज आदि का आंकलन किया जाएगा। स्वच्छता ग्रीन लीफ रेटिंग में स्वच्छता, शौचालय, ग्रे वाटर मैनेजमेंट, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट और अपशिष्ट प्रबंधन के आधार पर स्वच्छता रेटिंग दी जाएगी। इस रेटिंग का उद्देश्य जल निकायों में प्रदूषण को रोकना और पर्यावरण को स्वच्छ रखना है। देहरादून की मुख्य विकास अधिकारी झरना कमठान ने बताया कि पूरे भारत में उत्तराखंड दूसरा राज्य है, जो इस कार्यक्रम को शुरू कर रहा है।

अग्निशमन

देहरादून जिला प्रशासन अब स्कूली बसों के चालकों को अग्निशमन उपकरण चलाने की पूरी जानकारी उपलब्ध कराएगा। स्कूली बसों और अन्य वाहनों में अग्निसुरक्षा यंत्रों को लगाना भी आवश्यक होगा ताकि दुर्घटना की स्थिति में सुरक्षित रहा जा सके। संभागीय परिवहन अधिकारी शैलेश तिवारी के मुताबिक परिवहन विभाग द्वारा स्कूली वाहनों के ड्राइवरों को फायर उपकरणों के उपयोग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण सौ–सौ के बैच में दिया जाएगा। इसके साथ ही जून के महीने में स्कूल बस और वैन का फायर सुरक्षा ऑडिट भी किया जाएगा। श्री तिवारी ने कहा कि वाहनों में आमतौर पर फायर उपकरण लगे रहते हैं लेकिन वाहन चालकों को उनके उपयोगी की जानकारी नहीं होती।

स्वीकृति

प्रारम्भिक शिक्षा की परीक्षाओं में प्रदेश के दिव्यांग विद्यार्थियों को अतिरिक्त समय मिलेगा। राज्य सरकार ने इसके लिए स्वीकृति दे दी है। इसके अलावा दिव्यांग विद्यार्थियों को परीक्षा के दौरान श्रुत लेखक भी मिलेगा, जिसकी व्यवस्था संबंधित संस्थान के द्वारा की जायेगी। जल्द ही इस संबंध में शासन स्तर से शासनादेश जारी किया जायेगा। विद्यायली शिक्षा मंत्री डॉ.धन सिंह रावत ने बताया कि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम–2016 में वर्णित विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को प्रारम्भिक शिक्षा की परीक्षा के दौरान प्रश्न पत्र हल करने के लिये प्रति घंटा 20 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जायेगा। उन्होंने बताया कि परीक्षा के दौरान दिव्यांग विद्यार्थी जिस श्रुत लेखक की मदद लेगा वह उस कक्षा से निचली कक्षा का विद्यार्थी होना आवश्यक है। इसके अलावा जरूरत पड़ने पर परीक्षा के दौरान दिव्यांग विद्यार्थियों को ब्रेलर, अबेकस, ज्योमेट्री और सांकेतिक भाषा की व्यवस्था भी संस्थान द्वारा कराई जायेगी। साथ ही प्राथमिक शिक्षा के तहत तीसरी और चौथी कक्षा में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की मौखिक परीक्षा लेकर उनका परीक्षा परिणाम घोषित किया जायेगा।

इनर लाइन परमिट

आदि कैलाश यात्रा के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के मद्देनज़र पिथौरागढ़ जिला प्रशासन ने इनर लाईन परमिट की अवधि 15 दिन से घटाकर 4 दिन कर दी है। प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार दो मई से अब तक 4 हजार 685 यात्रियों को इनर लाइन परमिट जारी किए जा चुके हैं और परमिट के लिए लगातार आवेदन प्राप्त हो रहे हैं। जिलाधिकारी रीना जोशी ने बताया कि हर दिन 300 परमिट जारी किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इनर लाइन परमिट की अवधि घटाने से पर्यटक जल्द ही दर्शन कर लौट आएंगे और वहां पर भीड़ नहीं रहेगी।

गौरतलब है कि ओम पर्वत और आदि कैलाश यात्रियों को छियालेख से आगे जाने के लिए इनर लाइन परमिट की जरूरत होती है। इस बीच, जिलाधिकारी ने सुरक्षित आदि कैलाश यात्रा के लिए सभी संबंधित अधिकारियों के साथ चर्चा की और आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बताया कि अब तक लगभग पांच हजार तीर्थयात्रियों ने आदि कैलाश दर्शन किए हैं। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को आदि कैलाश यात्रा पर जाने वाले सभी यात्रियों का धारचूला और गुंजी में फिटनेस चेकअप अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिए।

चारधाम फर्जीवाड़ा

चारधाम यात्रा के लिए कराये गये ऑनलाइन पंजीकरण में हैदराबाद के श्रद्धालुओं के साथ धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस चेकिंग के दौरान हैदराबाद से चारधाम यात्रा पर आए 11 सदस्यीय यात्रियों के दल के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन में कूटरचना कर और तारीखों में हेरफेर किया जाना सामने आया। दल के सदस्यों ने बताया कि उन्होंने जानकपुरी दिल्ली से ऑनलाइन पैकेज बुक किया गया था। कंपनी ने पंजीकरण व ठहरने आदि की व्यवस्था करने के लिए उनसे दो लाख 33 हजार रुपये लिये थे। पुलिस की ओर से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन चेक करने पर पता चला कि उनके पंजीकरण की वास्तविक तारीख एक जून से दस जून तक है, जबकि यात्रियों को 25 मई से 30 मई के बीच के रजिस्ट्रेशन के कागज दिए गए थे। ट्रैवल एजेंसी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

पर्वतारोहण

उत्तरकाशी जिले में गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र के गंगोत्री हिमालय में स्थित माउंट थेलू के आरोहण के लिए पुणे का छह सदस्यीय पर्वतारोही दल रवाना हो गया है। छह हजार दो (6,002) मीटर ऊंचे इस पर्वत की चढ़ाई करने के लिए कल कनखू बैरियर से दल रवाना हुआ। उद्यान के गेट पर्यटकों के लिए खुलने के बाद यह पहला दल है जो किसी चोटी के आरोहण के लिए रवाना हुआ है। इस छह सदस्यीय इस दल की मदद के लिए नेहरु पर्वतारोहण संस्थान के दो सदस्य भी माउंट थेलू के बेस कैंप पर मौजूद रहेंगे। यह पूरा अभियान करीब एक माह का होगा।

दुग्ध संघ

श्रीनगर दुग्ध संघ द्वारा रुद्रप्रयाग जिले में साल में सबसे अधिक दुग्ध उत्पादन करने वाली महिला समिति के सदस्यों को पुरस्कृत किया गया है। डेयरी के सहायक प्रबंधक विजया देवी नेगी ने बताया कि यह पुरस्कार महिला समितियों को उनके द्वारा दुग्ध व्यवसाय में बेहतर ढंग से कार्य करने के लिए दिया गया है। इससे महिलाएं भी दुग्ध व्यवसाय में बेहतर कार्य करते हुए अपनी आजीविका एवं आमदनी को बढा सकेंगी।